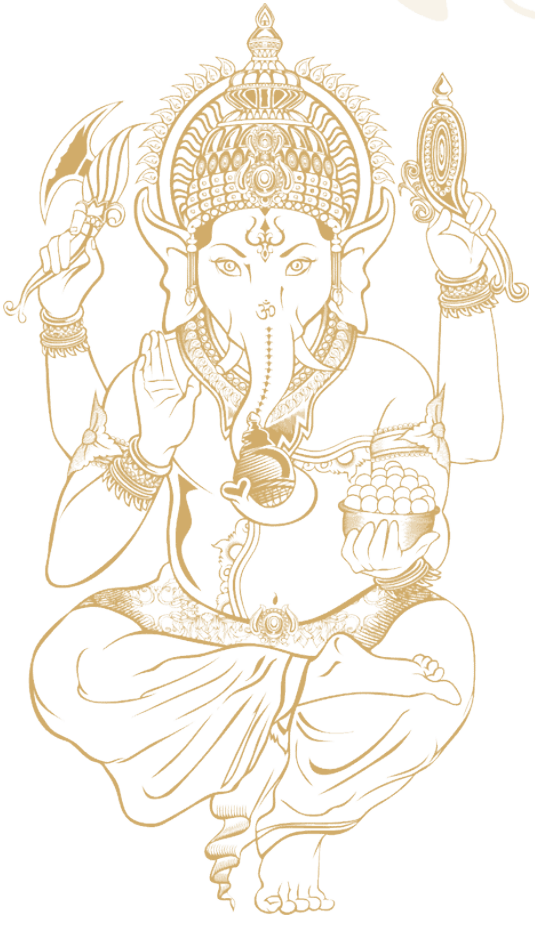

Omparkash

Manju

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121919702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/09/2000	जन्म तिथि	16/08/2004
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	23:37:00 घंटे
घटी 40:35:14	जन्म समय(घटी)	43:51:06 घटी
India	देश	India
Sri Dungargarh	स्थान	Bikaner
28:05:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
74:00:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:00	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:54	सूर्योदय	06:07:10
18:46:47	सूर्यास्त	19:13:47
23:51:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 10मा 8दि	06:43:12	वृष	लग्न	मेष	29:22:13	केतु 2वर्ष 7मा 15दि
राहु	22:28:23	सिंह	सूर्य	सिंह	00:16:23	शुक्र
18/07/2025	25:25:45	धनु	चंद्र	सिंह	08:20:00	02/04/2007
19/07/2043	00:53:13	सिंह	मंगल	सिंह	10:05:35	02/04/2027
राहु 30/03/2028	07:24:43	कन्या	बुध व	सिंह	12:48:29	शुक्र 02/08/2010
गुरु 24/08/2030	16:39:33	वृष	गुरु	सिंह	27:43:50	सूर्य 02/08/2011
शनि 30/06/2033	16:38:09	कन्या	शुक्र	मिथु	14:33:09	चन्द्र 02/04/2013
बुध 17/01/2036	07:06:12	वृष	शनि	मिथु	27:48:43	मंगल 02/06/2014
केतु 04/02/2037	29:34:01	मिथु	राहु व	मेष	10:45:44	राहु 02/06/2017
शुक्र 05/02/2040	29:34:01	धनु	केतु व	तुला	10:45:44	गुरु 01/02/2020
सूर्य 29/12/2040	23:54:35	मक व	हर्ष व	कुंभ	11:19:55	शनि 02/04/2023
चन्द्र 30/06/2042	10:17:01	मक व	नेप व	मक	19:47:14	बुध 31/01/2026
मंगल 19/07/2043	16:23:14	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	25:40:34	केतु 02/04/2027

लग्न-चलित

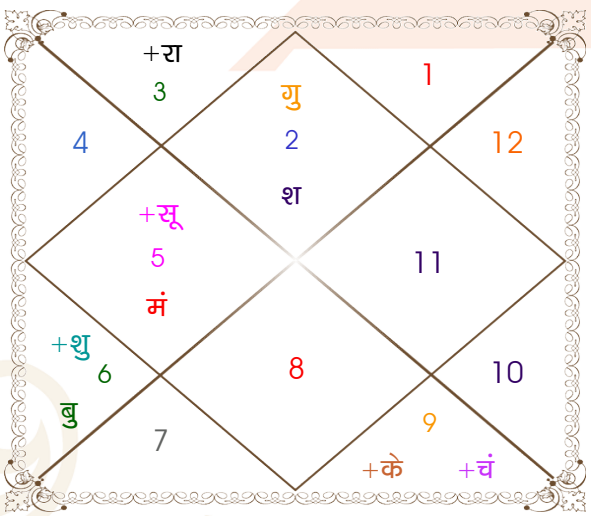

लग्न-चलित

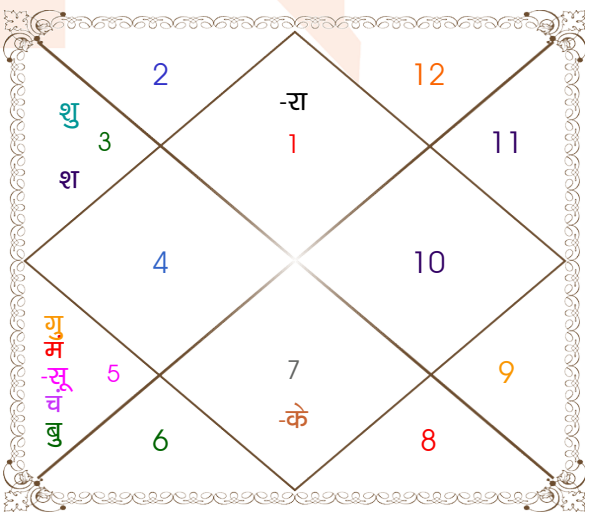

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

व्उचंतीी का वर्ग श्वान है तथा Manju का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार व्उचंतीी और Manju का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

व्उचंतीी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Manju मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Manju कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

व्उचंतीी तथा Manju में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।